राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 18 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-52 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने ओडिशा में अपने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

● राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की हरियाणा में जारी होगा नोटिस

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। वहीं हरियाणा में पार्टी पांच विधायकों को नोटिस देने की तैयारी कर रही है। इस बीच हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर ने पार्टी छोड़ दी है। उनकी पत्नी और नारायणगढ़ से विधायक शैली चौधरी भी पार्टी से इस्तीफा दे सकती हैं। ओडिशा में कांग्रेस ने रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस को पार्टी से निकाला है। इन तीनों विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में वोट दिया था। क्रॉस वोटिंग की वजह से कांग्रेस और आरजेडी के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। दरअसल, दोनों राज्यों में कांग्रेस के कुल 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। 16 मार्च को 11 सीटों पर हुए चुनाव में 9 सीटें एनडीए के खाते में गईं। 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के चुनाव में 26 पर प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध चुने गए थे।

अब हर अंडे पर लिखी होगी एक्सपायरी डेट

● 1 अप्रैल से नियम लागू, योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। अगर आप अंडे खाते हैं तो ये खबर खास आपके लिए है। बहुत जल्द हर अंडे पर आपको उसकी एक्सपायरी डेट लिखी हुई मिलेगी। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 1 अप्रैल से अंडे का कारोबार करने वालों के लिए हर अंडे पर उसकी एक्सपायरी डेट की मुहर लगाना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही अंडों पर वह तारीख भी लिखी हुई मिलेगी, जिस दिन मुर्गी ने उन्हें दिया गया था। पशुपालन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों और मुर्गी पालन करने वालों को अनिवार्य तौर पर इस नियम का पालन करना होगा। आपको बता दें कि अगर मुर्गी के अंडे को लगभग 30 डिग्री सेल्सियस के सामान्य तापमान पर रखा

जाए, तो वह दिए जाने के दो हफ्तों के अंदर खाने के लिए सुरक्षित रहता है। इसके अलावा अगर उसे 2 से 8 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाए, तो पांच हफ्तों तक उस अंडे को खाया जा सकता है। नए नियम का पालन नहीं करने पर या तो बाजार में अंडों की खेप को नष्ट किया जाएगा या फिर अंडों पर इंसानों के खाने लायक नहीं की मुहर लगा दी जाएगी। खाद्य सुरक्षा नियमों के मुताबिक, अंडों को सब्जियों के साथ कोल्ड स्टोरेज में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि उन्हें अलग-अलग तापमान की जरूरत होती है। यूपी में अंडों के लिए केवल दो कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनमें पहला आगरा में और दूसरा झांसी में है। पशुपालन और डेयरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि यह पाया गया कि कई मामलों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। उपभोक्ता भी इस बारे में अनजान थे। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार के इस फैसले का मकसद है कि उपभोक्ताओं को ताजा और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिले। इस नए नियम के लागू होने से बाजार में बिकने वाले खराब और बासी अंडों की बिक्री पर रोक लगेगी, जिन्हें खाने से लोगों की सेहत पर खराब असर पड़ता है। अभी तक की व्यवस्था में अंडों पर कोई एक्सपायरी डेट नहीं लिखी होती है।

लोकसभा से 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

● स्पीकर ने सांसदों से कहा-पोस्टर और एआई से बनीं तस्वीरें न दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट के एक सांसद हैं। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे। उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे। कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेंद यादव ने कहा कि सदन की मर्यादा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा। उन्होंने कहा कि खासकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इसका ख्याल रखें। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से कहा,प्लेकार्ट और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।

गैस की कमी से दवाओं पर भी छाया गंभीर संकट

● 10 दिन में प्रोडक्शन रोक सकती हैं 200 कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैस संकट का असर अब दवा उद्योग पर भी दिखने लगा है। प्रोपेन गैस का इस्तेमाल रिएक्टर्स और स्टीम जेनरेशन में होता है। लेकिन इसकी भारी कमी के कारण गुजरात, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की कई कंपनियों को अपना उत्पादन बंद करना पड़ सकता है। इससे पैरासिटामोल, विटामिन और हॉरमोंस जैसी जरूरी मेडिसिन का प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि बॉयलर ऑपरेशन पर काफी असर पड़ा है और इससे उत्पादन में कमी हो सकती है। इससे आने वाले कुछ दिनों में देश में दवाओं की कमी हो

सकती है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। भारत में कई एपीआई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं जो कई जरूरी दवाएं बनाती हैं। इनमें पैरासिटामोल, मेटफॉर्मिन, मेट्रोनिडाजोल, डाइक्लोफैनेक और निमेसुलाइड, सिप्रोफ्लोक्सेसिन, फॉलिक एसिड और विटामिन सी शामिल हैं। चेयरमैन दिनेश दुआ का कहना है कि करीब 200 मैन्युफैक्चरर्स अगले 7 से 10 दिन में अपना प्रोडक्शन बंद कर सकते हैं। इससे जरूरी दवाओं के उत्पादन पर असर हो सकता है। भारत में दवा उद्योग में बॉयलर में मुख्य रूप से फ्यूल के रूप में प्रोपेन का इस्तेमाल होता है। इंडस्ट्री के एक एक्सपर्ट ने कहा कि ईरान युद्ध के कारण एलएनजी आयात के रास्ते बंद हो गए हैं। इससे सप्लाई में काफी गिरावट आई है और गैस की कीमत में भारी बढ़ोतरी से कंपनियों को उत्पादन जारी रखना मुश्किल हो रहा है। भारत ग्लोबल मार्केट्स में एपीआई का एक प्रमुख सप्लायर है लेकिन इस संकट के कारण उसकी पोजीशन को खतरा हो सकता है। एक्सपर्ट ने कहा कि गैस संकट के कारण देश में दवाओं का कमी हो सकता है।

उत्तराखंड के बाद गुजरात में यूसीसी की है तैयारी

● समिति ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को रिपोर्ट सौंपी

गांधीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी जल्द यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता लागू हो सकता है। यूसीसी के लिए गठित समिति ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। समिति ने विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत अध्ययन के बाद इसने अंतिम सिफारिशों सहित अपनी रिपोर्ट पेश की है। गुजरात सरकार आज शाम को इस रिपोर्ट पर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ चर्चा करेगी। यूसीसी से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा मौजूदा विधानसभा सत्र में ही की जाएगी। रिपोर्ट 23 मार्च को सदन में रखी जा सकती है, जबकि 24 मार्च को बिल पेश किए जाने की संभावना है, जो इस बजट सत्र का अंतिम दिन भी है।

● ईरान के सबसे ताकतवर अफसर

अली लारिजानी मारे गए !

● इजराइल का सबसे बड़ा दावा-रक्षामंत्री ने खुद किया ऐलान ● बसीज फोर्स कमांडर सुलेमानी की भी मौत; ईरान से पुष्टि नहीं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने दावा किया है कि ईरान में रात को किए गए एयरस्ट्राइक में देश के सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी मारे गए हैं। वे ईरान के सबसे ताकतवर अफसर माने जाते हैं। इससे पहले इजराइली सेना ने पुष्टि की थी कि उसने लारिजानी को निशाना बनाया था। इसके साथ ही आईडीएफ ने बताया कि एक अलग हमले में ईरान के बसीज पारामिलिट्री फोर्स के कमांडर गुलामरजा सुलेमानी को भी मार गिराया गया। रक्षा मंत्री काट्ज ने बयान में कहा कि लारिजानी और बसीज कमांडर को खत्म कर दिया गया है और वे उन लोगों के साथ जा मिले हैं, जिन्हें इजराइल पहले ही मार चुका है। हालांकि, इन दावों पर अभी तक ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं आई है। वहीं, इजराइल के दावों के बीच एक हाथ से लिखा नोट पब्लिश किया है।

अली लारीजानी ही चला रहे थे ईरानी की सत्ता

ईरान के सुप्रीम नेता अली खामेनेई की मौत के बाद अली लारीजानी सबसे मुखर होकर इजरायल और अमेरिका की आलोचना कर रहे थे। हाल ही में लारीजानी तेहरान में एक रैली के दौरान दुनिया के सामने खुलकर आए थे। अली लारीजानी सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी दे रहे थे। ईरान ने मोजतबा खामेनेई को भले ही अगला सुप्रीम लीडर बना दिया है लेकिन इजरायली और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि वह बुरी तरह से घायल हैं। इसी वजह से वह जनता के सामने नहीं आ रहे हैं। माना जा रहा है कि इसी वजह से पर्दे के पीछे से अली लारीजानी सत्ता को चला रहे थे। इस युद्ध के शुरू होने से पहले अली लारीजानी का प्रमोशन हुआ था और पश्चिमी देशों के साथ सभी तरह की बातचीत को वही देख रहे थे। 1 मार्च को अली लारीजानी ने ऐलान किया था कि वह अंतरिम कमेटी का नेतृत्व करेंगे।

रमजान में 400 बेगुनाहों की हत्या, इंटरनेशनल लॉ कहां है

● बम बरसाने वाले पाकिस्तान पर भड़का अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में ड्रग रिहैबिलिटेशन हॉस्पिटल पर हवाई हमला किया, जिसमें अब तक 400 लोगों ने अपनी जान खो दी। इतना ही नहीं बल्कि 250 लोग चोटिल भी गए। पाकिस्तान की इस हरकत से हर कोई हैरान है। अफगानी क्रिकेटर्स ने भी पाकिस्तान की इस गिरी हुई हरकत पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने बड़ा बयान दिया है। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, पाकिस्तान द्वारा रमजान के महीने में अफगानिस्तान के अस्पताल पर बम विस्फोट किया गया। अब इंटरनेशनल लॉ कहां है, ह्यूमैनिटी कहां है, दुनिया के बोलने से पहले और कितने मासूम लोगों की जानें जाएंगी। बता दें कि रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबादिन नाइब, नवीन उल और कई अफगानी क्रिकेटर्स ने अफगानिस्तान में हुए इस हमले के बाद अपना दुख व्यक्त किया है। 24 साल के रहमानुल्लाह गुरबाज ने

अफगानिस्तान के लिए 2 टेस्ट, 52 वनडे और 87 टी20 मुकाबले खेले हैं। वह अफगानिस्तान के लिए 2019 से क्रिकेट खेल रहे हैं। उनके नाम टेस्ट में 97 रन हैं। वनडे में गुरबाज ने 8 शतक और 7 अर्धशतक के चलते 1888 रन बनाए हैं। वहीं टी20 में उन्होंने 1 शतक और 13 फिफ्टी के चलते 2284 रन बनाए हैं।

ईद से पहले भारत भर रहा है बांग्लादेश की टंकी

● 45000 टन डीजल होगा एक्सपोर्ट, सत्ता परिवर्तन के बाद बदली स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी) ईरान युद्ध संकट के बीच भारत और बांग्लादेश के रिश्ते काफी नजदीक आ रहे हैं।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का भी असर दिखाई दे रहा है। ईद से पहले भारत बांग्लादेश की मदद के लिए भारत आगे आया है। भारत ने पाइपलाइन के जरिए बांग्लादेश को डीजल एक्सपोर्ट करना शुरू कर दिया है। भारत अप्रैल तक बांग्लादेश को कुल 45000 टन डीजल एक्सपोर्ट करेगा। बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के जनरल मैनेजर मोहम्मद मुर्शिद हुसैन आजाद ने बताया कि बांग्लादेश को भारत से 5000 टन डीजल की खेप मिल चुकी है। 18 या 19 मार्च को 5000 टन डीजल और मिलेगा। भारत से 40000 अतिरिक्त डीजल भेजने का प्रस्ताव मिला है।

किसी भी उम्र का बच्चा गोद लेने पर मातृत्व अवकाश

● बड़ा फैसला, अभी उम्र 3 महीने से कम होना जरूरी था ● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-पितृत्व अवकाश पर भी कानून बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही छुट्टी देना गलत है। जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान बेंच ने धारा 60(4) को असंवैधानिक करार देते हुए बच्चे की उम्र 3 महीने से कम होने के नियम को रद्द कर दिया। हमसानंदिनी नंदूरी ने इस मामले में जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने कहा था कि उम्र के आधार पर छुट्टी देना गलत है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पितृत्व अवकाश (पिता की छुट्टी) को भी कानून में शामिल करे। कोर्ट ने कहा कि इसकी अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए।

● **केवल जैविक कारक ही परिवार को निर्धारित नहीं करते**- न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, यद्यपि पारंपरिक रूप से रिश्तेदारी को परिभाषित करने में जीव विज्ञान को प्रमुख कारक माना जाता रहा है, लेकिन गोद लेना भी उतना ही मान्य तरीका है। परिवार का निर्धारण जीव विज्ञान से नहीं, बल्कि साझा अर्थ से होता है। केवल जैविक कारक ही परिवार को निर्धारित नहीं करते। गोद लिया हुआ बच्चा प्राकृतिक बच्चे से भिन्न नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि तीन महीने से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला की जिम्मेदारी अन्य मां के समान ही होती है। इसलिए उन्हें भी मैटरनिटी लीव मिलेगी। गौरतलब है कि धारा 60(4) के तहत तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर अवकाश की अनुमति मिलती है।

राज्यसभा चुनाव बीजेपी की जीत में विपक्ष के मुस्लिम विधायकों की रही अहम भूमिका

फैसल और सोफिया के वोट से बदला गेम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार और ओडिशा में राज्यसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की जीत के पीछे दूसरे दलों के विधायकों की बड़ी भूमिका रही। सबसे ज्यादा चर्चा बिहार के ढाका से राजद विधायक फैसल रहमान और ओडिशा की बाराबती-कटक सीट से कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस की हो रही है। दोनों ही विधायकों के फैसले ने बीजेपी के लिए चुनावी नतीजों को सीधे तौर पर प्रभावित किया। बिहार में फैसल रहमान की अनुपस्थिति ने राष्ट्रीय जनता दल को चौंका दिया। सूत्रों के मुताबिक, रहमान पूरे दिन पार्टी प्रबंधकों की पहुंच से बाहर रहे और उनका मोबाइल भी बंद था। उनके अनुपस्थिति से एनडीए को फायदा हो गया। राज्य में नीतिश कुमार (जेडीयू), नितिन नबीन, राम नाथ ठाकुर और शिवेश कुमार (भाजपा), और उपेन्द्र कुशवाहा (आरएलएम) को

राज्यसभा के लिए जीतने में मदद मिली। पार्टी में रहमान की गैरमौजूदगी ने साफ कर दिया कि कभी-कभी एक अकेला विधायक पूरे चुनाव की दिशा बदल सकता है। वहीं, ओडिशा में राज्यसभा की चार सीटों के लिए सोमवार को हुई वोटिंग में सबसे ज्यादा चर्चा रही सोफिया फिरदौस की। कांग्रेस की लाइन के उलट उन्होंने बीजेपी के पक्ष में वोट डाला। सोफिया ने दो दिन पहले ही पार्टी के साझा उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाए थे और कहा था कि उन्हें इस फैसले में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी सबको साथ लेकर नहीं चल रही और इसी वजह से विधायकों में असंतोष है। सोफिया फिरदौस 23 अगस्त 1991 को कटक में जन्मीं और ओडिशा की बाराबती-कटक सीट से कांग्रेस विधायक हैं। वह ओडिया मुस्लिम समुदाय की पहली महिला विधायक हैं। सोफिया की पिता मोहम्मद मोकीम भी इसी सीट से पूर्व विधायक रहे थे। 2019-2024 में मोहम्मद मोकीम की विधायकी ओडिशा हाई कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामलों के चलते रद्द कर दी थी, जिससे सोफिया को 2024 में कांग्रेस ने अपनी जगह चुनाव मैदान में उतारा। इस बार उनके फैसले ने चुनाव की तस्वीर ही बदल दी और गलियारों में खूब चर्चा बटोरी।

अब बीजेपी में वरुण गांधी के बहुरेंगे दिन

● परिवार संग पीएम मोदी से मुलाकात बोले-पितृवत स्नेह मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सरकार की नीतियों की आलोचना के चलते पार्टी में अलग-थलग हुए वरुण गांधी एक बार फिर अपने सियासी ढर्रे पर वापस आते दिख रहे हैं। उन्होंने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर तस्वीर पोस्ट करते हुए वरुण गांधी ने लिखा, परिवार सहित श्रद्धेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, आपके आभामंडल में अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव है। आपसे हुई भेंट इस विश्वास को और भी दृढ़ बना देती है कि आप देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं। वरुण गांधी ने पीएम मोदी के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसमें उनकी पत्नी और बेटी भी दिखाई दे रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में पुनर्चक्रण की भूमिका

वास्तव में यह दिवस हमें यह सिखाता है कि जल, वायु, तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और खनिज जैसे प्रकृति के संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। यदि हम सरल शब्दों में समझें तो पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का अर्थ है-किसी उपयोग की हुई या बेकार वस्तु को पुनः संसाधित करके उसे दोबारा उपयोग के योग्य बनाना। अर्थात् जिन वस्तुओं को हम उपयोग के बाद अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं, जैसे कागज़, प्लास्टिक, काँच, धातु या अन्य सामग्री, उन्हें विशेष प्रक्रियाओं के माध्यम से फिर से नई वस्तुओं में बदल देना ही पुनर्चक्रण कहलाता है।

लेखक-सुनील कुमार महला)

(18 मार्च वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस पर विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 18 मार्च को विश्वभर में वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस (ग्लोबल रीसाइक्लिंग डे) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वास्तव में पुनर्चक्रण हमारे ग्रह और मानवता के भविष्य को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हर वर्ष पृथ्वी अरबों टन प्राकृतिक संसाधनों का उत्पादन करती है, लेकिन एक समय ऐसा भी आएगा जब ये संसाधन या तो समाप्त हो जाएंगे या बहुत कम मात्रा में उपलब्ध रह जाएंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस बात पर गंभीरता से विचार करें कि हम क्या फेंक रहे हैं और कैसे फेंक रहे हैं। हमें कचरे को केवल बेकार वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक संभावित संसाधन और अवसर के रूप में देखना चाहिए। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पिछला दशक(वर्ष 2015 से 2024 तक) अब तक का सबसे गर्म दशक रहा है और आज पूरी दुनिया अभूतपूर्व जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है।वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जबकि उससे पहले 2023 ने भी तापमान के नए रिकॉर्ड बनाए थे। इसके अतिरिक्त 2016, 2020 और 2019 भी अत्यधिक गर्म वर्षों में शामिल हैं। वास्तव में इस बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और मानवीय गतिविधियाँ मानी जाती हैं, जिसके कारण दुनिया भर में हीटवेव और तापमान के नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं। हाल फिलहाल,यदि हम समय रहते महत्वपूर्ण और त्वरित परिवर्तन नहीं करते, तो वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, हिमनदों और बर्फ की चोटियों का तेजी से पिघलना, महाद्वीपों में आग लगना, तेजी से वनों की कटाई, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं की घटनाएँ बढ़ती जाएँगी। इन परिस्थितियों का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ती है, विस्थापित समुदायों का पलायन होता है, नौकरियों में कमी आती है, कचरे के विशाल ढेर लगते हैं और प्राकृतिक आवास नष्ट होते जाते हैं। ऐसे में पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आता है।

वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस की स्थापना ग्लोबल रीसाइक्लिंग फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसे पहली बार 18 मार्च 2018 को मनाया गया था। हर वर्ष इस दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी- बाधाओं को तोड़ना- कचरा प्रबंधन संकट के लिए एक क्रांतिकारी खाका। जबकि वर्ष 2026 की थीम है- पुनर्चक्रण के नायक- नवाचार और कार्रवाई (रि-साइक्लिंग हीरोज- इनोवेशन एंड एक्शन । वास्तव में, इस थीम का आशय यह है कि जो लोग(जैसे वैज्ञानिक, संगठन या पर्यावरण कार्यकर्ता) और जो संस्थाएँ तथा नई तकनीकें कचरे को दोबारा उपयोगी संसाधन में बदलने के लिए नए-नए तरीके (नवाचार) खोज रही हैं और जमीन पर ठोस कार्य (कार्रवाई) कर रही हैं, उनका सम्मान किया जाए। आज जब विश्व में पर्यावरण प्रदूषण और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं, तब कचरे को पुनः उपयोग में लाने की प्रक्रिया हमारे नीले ग्रह अर्थात पृथ्वी को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है। वास्तव में यह दिवस हमें यह सिखाता है कि जल, वायु, तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और खनिज जैसे प्रकृति के संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। यदि हम सरल शब्दों में समझें तो पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का अर्थ है-किसी उपयोग की हुई या बेकार वस्तु को पुनः संसाधित करके उसे दोबारा उपयोग के योग्य बनाना। अर्थात् जिन वस्तुओं को हम उपयोग के बाद अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं, जैसे कागज़, प्लास्टिक, काँच, धातु या अन्य सामग्री, उन्हें विशेष प्रक्रियाओं के माध्यम से फिर से नई वस्तुओं में बदल देना ही पुनर्चक्रण कहलाता है। संक्षेप में कहा जाए तो री-साइक्लिंग वह प्रक्रिया है जिसमें बेकार या इस्तेमाल की हुई वस्तुओं को फिर से उपयोगी बनाया जाता है, ताकि संसाधनों की बचत हो और पर्यावरण सुरक्षित रहे।सच तो यह है कि वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का आह्वान है। जब हम किसी वस्तु को 'कचरा' कहने के बजाय 'संसाधन' के रूप में देखना शुरू करते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी की नींव रखते हैं। आज विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ वस्तुओं और संसाधनों का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है। जब संसाधनों का उपयोग और उपभोग बढ़ता है तो कचरे की मात्रा भी बढ़ती है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर दबाव पड़ता है। ऐसे में पुनर्चक्रण पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक और प्रभावी उपाय बनकर सामने आता है। पुनर्चक्रण के अनेक लाभ हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, कचरे की मात्रा कम होती है, भूमि, जल और वायु प्रदूषण में कमी आती है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नई वस्तु बनाने की तुलना में पुरानी वस्तुओं के पुनर्चक्रण में कम ऊर्जा लगती है। पुनर्चक्रण से कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों में कमी आती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नए रोजगार के अवसर पैदा करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और कच्चे माल की आवश्यकता को भी कम करता है। इसलिए आवश्यक है कि पुनर्चक्रण से संबंधित नीतियों और कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए और इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाए।हालाँकि, दुनिया में पुनर्चक्रण की चर्चा बहुत होती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी बहुत कम कचरा पुनर्चक्रित हो पाता है। वैश्विक स्तर पर केवल लगभग 6.9त्न सामग्री ही पुनर्चक्रित हो पाती है। विश्व की अर्थव्यवस्था में उपयोग होने वाले लगभग 106 अरब टन संसाधनों में से केवल 6.9त्न ही पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः उपयोग में आ पाते हैं। प्लास्टिक पुनर्चक्रण की स्थिति और भी चिंताजनक है। दुनिया में बनने वाले प्लास्टिक का केवल 9-10त्न ही पुनर्चक्रित हो पाता है। वर्ष 2024 में लगभग 22 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, लेकिन इसका बहुत छोटा हिस्सा ही सही तरीके से रीसायकल हो पाया। इसी प्रकार वर्ष 2022 में बने 400 मिलियन टन प्लास्टिक में से केवल 9.5त्न ही पुनर्चक्रित सामग्री से बना था। वर्तमान में विश्व में हर वर्ष लगभग 400-414 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है और यदि यही स्थिति बनी रही तो 2060 तक प्लास्टिक का उपयोग लगभग तीन गुना हो सकता है। वर्ष 1950 से अब तक दुनिया में 9 अरब टन से अधिक प्लास्टिक बनाया जा चुका है और हर वर्ष लगभग 350 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इतना ही नहीं, हर साल लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंच जाता है, जो समुद्री जीवन और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।यदि भारत की बात करें तो देश में हर वर्ष लगभग 62 मिलियन टन (6.2 करोड़ टन) कचरा उत्पन्न होता है, लेकिन इसमें से केवल लगभग 25त्न कचरा ही प्रोसेस या पुनर्चक्रित किया जाता है, जबकि लगभग 75त्न कचरा बिना प्रोसेस के ही रह जाता है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक देश है और वर्ष 2023-24 में देश में लगभग 17 लाख टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ।

संपादकीय

जन्मदात्री की रक्षा

हालांकि, पंजाब में पिछले दिनों सामने आए मातृ स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े कुछ हद तक उम्मीद जरूर जगाते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। राज्य में बच्चे को जन्म देने के दौरान मातृ मृत्यु दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जो निश्चित रूप से गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माताओं की सेहत की सुरक्षा करने में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की क्षमता में क्रमबद्ध सुधार का ही संकेत देती है। लेकिन, इस मामूली गिरावट के बावजूद एक गंभीर चिंता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि प्रगति अभी भी धीमी व असमान गति वाली है। दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दर्शाती है। इसके बावजूद अभी पंजाब में मातृ स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की काफी गुंजाइश है। विशेष रूप से तब जब कि कई जिलों में मातृ मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां जरूरी हो जाता है कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाए। हालांकि, पहले इस दिशा में आशातीत प्रगति दर्ज की गई थी। लेकिन अब हरियाणा की मातृ मृत्यु दर यानी एमएमआर के नवीनतम मूल्यांकन चक्र में स्थिति लगभग अपरिवर्तित ही नजर आती है। निश्चित तौर पर आंकड़ों में देखी जा रही यह स्थिरता सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में एक आम चुनौती को ही उजागर करती है। निर्विवाद रूप से प्रारंभिक स्तर पर किए गए सुधार अक्सर त्वरित लाभ देते हैं, लेकिन जरूरी है कि इस दिशा में प्रगति को अनवरत बनाया रखा जाए। निस्संदेह, इस प्रगति के लिये निरंतर गहन संरचनात्मक परिवर्तनों की जरूरत होती है। वास्तव में मातृ स्वास्थ्य रक्षा के लिये कई मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में केवल अस्पतालों और योजनाओं में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता है। बल्कि गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, समय रहते रेफरल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की निरंतर निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, पंजाब में स्वास्थ्य संबंधी ऑडिट से पहले ही प्रणालीगत खामियों की ओर संकेत मिला है। जैसा कि निदान में देरी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का खराब प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच कमजोर समन्वय का होना भी है। निस्संदेह, इन कमियों को दूर करने के लिये जिला अस्पतालों को सुविधा संपन्न करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी जरूरत है। साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों से रेफरल नेटवर्क में यथाशीघ्र सुधार करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

(लेखक- ललित गर्ग)

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे।

दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा। हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा।

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

चिंतन मनन

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

विचार मंथन

एप्पल के संस्थापक का 'पागलों' को सलाम

(लेखक- सनत जैन)

एप्पल के 50 साल पूरे होने पर दुनिया की दिग्गज कंपनी एप्पल के प्रमुख टिम कुक ने एक प्रेरणादायक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है, समाज जिन लोगों को पहिले 'पागल' और असफल मानती है, वही लोग अक्सर दुनिया में बड़ा बदलाव लाते हैं। उनके अनुसार अलग सोच और समाज के लिए बड़े बदलाव का नया प्रयोग ही भविष्य की जरूरत और सामाजिक बदलाव का समय के अनुसार रास्ता तैयार करता है। उन्होंने कहा, एक छोटे से विचार बनी बड़ी कंपनी एप्पल की शुरुआत हुई थी। बाद में इस सोच के साथ अन्य साथी जिसमें स्टीव जॉब्स और उनके साथियों ने तकनीक की दुनिया में कई नए कल्पनाशील प्रयोग किए। समय के बदलाव के साथ कंप्यूटर, स्मार्टफोन और टैबलेट जैसे उत्पादों के माध्यम से एप्पल इंच ने पूरी दुनिया में तकनीकी बदलाव लाने में विश्व स्तर पर बड़ी अहम भूमिका निभाई है। इस पर सभी को गर्व है। अलग सोच ही इतिहास बनाती है। टिम कुक का मानना है, जो लोग परंपराओं से हटकर नई सोच के साथ आगे बढ़ते हैं, उनकी वह नई सोच एक नया इतिहास बनाती है। कई बार समाज ऐसे लोगों को अलग या असामान्य मानता है। वह अपनी सोच के अनुसार जब काम करते हैं उसके परिणाम मिलने में कई साल लग जाते हैं ऐसी स्थिति में परिवार के लोग, मित्र और अन्य उन्हें या तो पागल समझने लगते हैं या असफल मानने लगते हैं। यही लोग अपनी सोच की प्रतिबद्धता के कारण समाज के लिए नए रास्ते तैयार करते हैं। नई संभावनाएं पैदा करते हैं। जो समाज के बदलाव में सबसे ज्यादा जरूरी होता है। टिम कुक ने युवाओं को संदेश दिया है, अगर उनके पास कोई नया विचार है। उसे आगे बढ़ाने का साहस धैर्यपूर्वक और सतत करते हैं। शुरुआत में लोग उस विचार को भले समझ नही पाते हैं, लेकिन वही सोच आगे चलकर दुनिया को बदलने का कारण बन जाती है। टिम कुक के अनुसार नवाचार, साहस और अलग नजरिया ही भविष्य को बेहतर बनाते हैं। एप्पल के संस्थापक का यह संदेश बताता है, कि हर व्यक्ति की सोच अलग होती है। जब वह एक बड़े बदलाव के लिए सोचता है तो वह अपने लिए नहीं बल्कि एक बड़े बदलाव को समाज के लिए लाने की सोच पर काम करता है। यही सोच उसे दूसरों से अलग करती है। वह अपनी सोच को वास्तविक स्वरूप में लाने के लिए हर संभव एकाग्रता के साथ प्रयास करता है। उसे इस दौरान कई असफलताएं मिलती हैं, लेकिन यही असफलताएं उन्हें असाधारण सफलता में बदलने का कारण बनती है। हर व्यक्ति की अलग सोच होती है, हर व्यक्ति का दायरा अलग होता है और जब वह पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ उस पर काम करना शुरू करता है तो परिणाम भी उसके अनुसार मिलना शुरू हो जाते हैं। तकनीकी के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट एप्पल और अन्य की इस तरह की जो सफलतायें हैं वह आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। बिना पूंजी, बिना संसाधन अपनी सोच के अनुसार काम करने, धैर्य रखने, बार-बार की असफलताओं से भी निरुसाहित नहीं होने से उन्हें सफलता मिलती है। यही उनकी सफलता का प्रमाण है। वर्तमान संदर्भ में जब डिग्री से रोजगार की कल्पना हमारा युवा वर्ग कर रहा है ऐसे समय पर एप्पल माइक्रो सॉफ्ट और अन्य सफलतम व्यक्ति तथा संस्थान से आज के युवाओं को प्रेरणा लेनी होगी।

जिस तरह से पानी अपना रास्ता खुद बनाता है, उसी तरह जो व्यक्ति अपने करियर को अपने अनुसार बनाने की कोशिश करता है उसके लिए सतत प्रयास करता है। निश्चित रूप से उसे उसकी सफलता मिलती है। यही एप्पल के संस्थापक का संदेश है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई 444-दिन एफडी योजना, उम्र के हिसाब से लाभ

- बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक

नई दिल्ली । यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने निवेशकों के लिए अपनी नई 444-दिन फिक्स्ड डिपॉज़िट (एफडी) योजना पेश की है। बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक चुनी जा सकती है। यह विशेष योजना उन लोगों के लिए है जो करीब डेढ़ साल के लिए सुरक्षित और सुनिश्चित लाभ चाहते हैं। इस एफडी योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उम्र के अनुसार ब्याज दरें बढ़ती हैं। आम नागरिकों (60 साल से कम उम्र) के लिए ब्याज दर 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों (60 साल से अधिक) के लिए 7.10 फीसदी और सुपर वरिष्ठ नागरिकों (80 साल से ऊपर) के लिए 7.35 फीसदी तय की गई है। मान लीजिए कोई निवेशक इस योजना में 2 लाख रुपये जमा करता है तो आम नागरिक को 2,16,577 रुपये (16,577 रुपये ब्याज), वरिष्ठ नागरिक को 2,17,876 रुपये (17,876 रुपये ब्याज) और सुपर वरिष्ठ नागरिक को 2,18,528 रुपये (18,528 रुपये ब्याज)`` मिलेगा। सरकारी बैंक होने के कारण इस एफडी में निवेश पूरी तरह सुरक्षित है। बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं है, और तय अवधि के बाद गारंटीड आय सुनिश्चित होती है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई । रुपया मंगलवार के कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

भारत वाणिज्य मंडल ने की निर्यातकों के लिए बैंकिंग राहत की मांग

- पश्चिम एशिया में तनाव से शिपिंग प्रभावित, व्यापार मंडल ने आरबीआई को लिखा पत्र

कोलकाता । भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वित्तीय राहत देने के लिए उपाय करने का आग्रह किया है। मंडल ने कहा कि यह क्षेत्र न केवल भारतीय निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप और अफ्रीका जाने वाले माल के लिए महत्वपूर्ण 'ट्रांस-शिपमेंट' केंद्र भी है।

टाटा कमर्शियल वाहन 1 अप्रैल से 1.5 फीसदी तक हो जाएंगे महंगे

- कंपनी ने कहा, कच्चे माल और अन्य इनपुट लागत बढने से बढ़ाना पड़ रहे दाम

मुंबई ।

टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से उसके कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक वृद्धि की जाएगी। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल और अन्य इनपुट लागतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण यह कदम उठाया गया है। कीमत बढ़ोतरी सभी कमर्शियल वाहनों पर लागू होगी, लेकिन मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अंतर हो सकता है। कंपनी ने कहा कि यह बढ़ती उत्पादन लागत का संतुलन बनाने के लिए जरूरी है। विश्लेषकों का कहना है कि जल्द ही टाटा कारों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए यदि आप टाटा कार खरीदने का सोच रहे हैं, तो अब निर्णय लेना फायदेमंद होगा। टाटा नेक्सन कंपनी की टॉप सेलिंग कार है। टाटा नेक्सन की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 7.31 लाख रुपये है। टाटा पंच भी कंपनी की टॉप सेलिंग कारों में से एक हैं। ऐसे में आप टाटा पंच को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा पंच की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 5.59 लाख

रुपये है। टाटा टियागो भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जिसे आप खरीदने के बारे में सोच सकते हैं. टाटा टियागो की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 4.57 लाख रुपये है। आप चाहे तो टाटा अल्ट्रोज और टाटा हैरियर को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 6.30 लाख रुपये है। वहीं टाटा हैरियर की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 12.89 लाख रुपये है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.37 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

- संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी

नई दिल्ली । केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कॉर्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव मॉडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पॉवर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 567, निफ्टी 172

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक की तेजी के साथ ही 23,581.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निवेशकों ने ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई व अमेरिकी बाजारों की तेजी से भी कारोबार बढ़ा। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और नैस्डैक में अच्छी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। एशियाई बाजारों से मिले बेहतर संकेतों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे बाजार की दिशा ऊपर की ओर बनी रही। कारोबार के दौरान` निफ्टी बढ़त के साथ 23,503.95 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 280.68 अंक चढ़कर 75,768.53 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से मेटल और ऑटो कंपनियों में आई खरीदारी के कारण रही। हालांकि आईटी सेक्टर में कमजोरी का रुख बना रहा।

इंफो सिस, ` विप्रो और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आईटी इंडेक्स पर दबाव बना और यह सेक्टर दिन का सबसे कमजोर सेक्टर रहा। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में शुरुआती गिरावट के बाद सुधार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। सेक्टर आधारित प्रदर्शन में फार्मा सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां मजबूत खरीदारी दर्ज की गई।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना कर बनाएगी क्षेत्रीय साइबर हब

- भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे

नई दिल्ली । वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी भारत को क्षेत्रीय सेवाओं का केंद्र (हब) बनाने पर जोर दे रही है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अे धिकारी ने कहा कि भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने बताया कि 2024 में कास्पर्स्की ने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा कि 2025 के वित्तीय परिणाम और भी बेहतर रहने की संभावना है। कंपनी केवल कार्यालय और कर्मचारियों में निवेश ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रही है।

उन्होंने संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है, तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कंपनी स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर ध्यान देगी।

अे धिकारी ने चेतावनी दी कि 2026 में साइबर हमले बढ़ सकते हैं। 2025 में कास्पर्स्की ने भारत में 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका।

उन्होंने कहा कि डीपफेक जैसे खतरे एआई उपकरणों की आसान उपलब्धता के कारण तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग जरूरी हो गया है।

उन्होंने माना कि एआई बुनियादी अकाउंटिंग, सॉफ्टवेयर कोडिंग और वेब प्रबंधन जैसे कार्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सभी को खुद को अपग्रेड करने और कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की सलाह दी।

एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

- ये फर्में हैं पीडब्ल्यूसीए, बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की हैं, जिनमें प्राइस वॉटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-ऑडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेज़ीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त ऑडिट प्रक्रियाओं का सबूत नहीं मिला। एक ऑडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-ऑडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

बाजार गिरा, जा निए निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है

नई दिल्ली । दिल्ली के एक नागे रिक पिछले छह साल से म्युचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। इस बार जब उन्होंने अपने निवेश ऐप खोला तो स्क्रीन पर लाल रंग ज्यादा दिखाई दिया। बाजार में गिरावट के कारण उनके इक्विटी फंड का मूल्य कम हो गया। उनके मन में सवाल आया, क्या मुझे इक्विटी से पैसे निकालकर डेट फंड में डाल देना चाहिए? विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में घबराहट में निर्णय लेना सबसे बड़ी गलती हो सकती है। द वेल्थ कंपनी म्युचुअल फंड के अनुसार, बाजार में गिरावट अक्सर निवेशकों को इमोशनल बना देती है। ऐसे समय में तुरंत फैसला लेने के बजाय अपने निवेश के उद्देश्य, समय सीमा और एसेट एलोकेशन पर ध्यान देना जरूरी है। इतिहास बताता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य हैं और सही रणनीति अपनाने वाले निवेशकों के लिए गिरावट अवसर भी बन सकती है। एक को-फाउंडर कहते हैं कि अचानक पोर्टफोलियो बदलना नुकसानदेह हो सकता है। लंबी अवधि के लिए इक्विटी बेहतर होती है, जबकि पैसे की जरूरत कम या मध्यम समय में है, तो डेट फंड या अच्छे क्वालिटी वाले बॉन्ड सुरक्षित विकल्प हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय एसेट एलोकेशन महत्वपूर्ण होती है। निवेश को अलग-अलग साधनों में बांटकर रखना जोखिम कम करता है। म्युचुअल फंड विशेषज्ञ कहते हैं कि समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है और कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता है। गिरावट के समय` एसआईपी निवेश करने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जिससे लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है। इसे रुपये लागत औसत कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुतो बिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए। गिरावट में इक्विटी छोड़कर डेट फंड में जाना हमेशा सही नहीं होता। लंबी अवधि की योजना, पोर्टफोलियो संतुलन और धैर्य सबसे बड़े लाभ की कुंजी हैं।

भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है- नैसकॉम

कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को दे रही प्राथमिकता

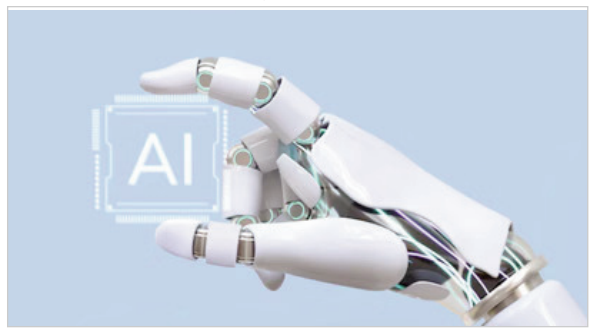

नई दिल्ली वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच, कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं। नैसकॉम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को 'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में कहा कि इस बदलते परिदृश्य में भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

नांबियार ने बताया कि निर्यात पर निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग अब असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों और कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीकों को बदल दिया है। अब दक्षता महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्णय लेने में मजबूती और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही हैलिए एक विशाल और विविध प्रयोगशाला है। देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और अन्य उद्योग में 30-40 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये प्रतिभाएं एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रही हैं। नांबियार ने आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा कि ये दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं। उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता और परस्पर संचालन जैसे सिद्धांत वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पसंदीदा साझेदार बनने का आधार केवल प्रौद्योगिकी नहीं, बल्कि साझा मूल्य और साझा आकांक्षाएँ भी हैं।

कच्चे तेल में उछाल, फिर भी भारत में पेट्रोल-डीजल स्थिर

खाड़ी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा से बढ़ीं वैश्विक कीमतें

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है, जो 136 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है।

यह जलमार्ग दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है, जिससे संकट और गहरा गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर भारत की तेल आयात लागत पर पड़ा है। इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना

है। इसके बावजूद, देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार फिलहाल कीमतों में वृद्धि से बच रही है। इसके पीछे राज्य चुनाव और महंगाई को नियंत्रित रखने की रणनीति अहम कारण मानी जा रही है। तेल कंपनियां अपने मार्जिन में कटौती कर नुकसान झेल रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं पर तत्काल बोझ न पड़े। हालांकि, यह स्थिति लंबे समय तक बने रहना मुश्किल है। यदि अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही

राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से

जयपुर ।

राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से शुरू होगी। अधिकारियों ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत कृषि जीन्स सरसों एवं चना की समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू की जा रही है। पंजीकृत किसान एक अप्रैल से इन फसलों की खरीद करेंगे। सहकारी समितियां (जयपुर ग्रामीण) के एक अ धिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंड के तहत चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,875 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों का 6,200 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। किसानों की सुविधा एवं खरीद से संबंधित किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए 'टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर' 1800-180-6001 भी उपलब्ध कराया गया है। जयपुर जिले में कुल 42 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत सातवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 'आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज' के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार अपने नाम किया। इस बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुना गया। इस प्रदर्शन से केर 21वें स्थान से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं और बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी दोनों में 600 से अधिक रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड की इसाबेल गेज भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 61वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, तेज गेंदबाज रोजमेरी मेयर सात स्थान ऊपर चढ़कर 58वें और ब्री इलिंग पांच स्थान की बढ़त के साथ 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कप्तान अमेलिया केर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ माउंट माउंगानुई में खेले गए पहले मुकाबले में 44 गेंदों पर 78 रन की पारी खेलकर करियर के सर्वश्रेष्ठ 694 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकरार हैं।

जॉर्जिया प्लिमर ने 63 रन की पारी खेलकर अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह 50वें से 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लेने के प्रदर्शन के दम पर 11 स्थान की छलांग लगाकर 23वां स्थान हासिल किया है। वहीं, सोफी डिवाइन ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 12 रन देकर चार विकेट झटके, जिससे वह 104वें स्थान से 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं।

आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी।

गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है।

विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं। वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ को और मजबूती प्रदान करेंगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था। सुदर्शन टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और उन्होंने 15 मुकाबलों में 156 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 759 रन बनाए थे। वहीं, गिल ने 15 मुकाबलों में 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 650 रन बनाए थे।

डेवोन कॉनवे की आकर्षक पारी, न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला बराबर की

हैमिल्टन (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए।

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तूफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 33 रन बनाए।

हाल ही में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन जबकि फर्ग्यूसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने कहा, 'मुझे लगा कि हमने एक समय तक बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन खराब रहा। खेल आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो गया था।' तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

जेके लक्ष्मी सीमेंट 2026 क्रिकेट लीग सीज़न में राजस्थान रॉयल्स का मुख्य प्रायोजक बना

जयपुर (एजेंसी)। देश की प्रमुख सीमेंट कंपनी जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड क्रिकेट लीग 2026 सीज़न के लिए राजस्थान रॉयल्स की प्रमुख प्रायोजक (प्रिंसिपल स्पॉन्सर) होगी।

कंपनी के अध्यक्ष एवं निदेशक अरुण शुक्ला ने इस संबंध घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बताया कि इस साझेदारी के साथ ब्रांड की फिर से वापसी हो रही है और राजस्थान से जुड़ी ये दोनों संस्थाएं एक बार फिर साथ मिलकर काम करेंगी। इस साझेदारी के तहत जे के लक्ष्मी सीमेंट का लोगो राजस्थान रॉयल्स की मैच जर्सी के पीछे प्रमुख रूप से दिखायी देगा। पूरे सीज़न के दौरान यह ब्रांड टीम के गियर, स्टेडियम ब्रांडिंग और मैच डे के डिजिटल कंटेंट में भी नजर आएगा।

उन्होंने कहा कि जे के सीमेंट एक ऐसी कंपनी जो राज्य के औद्योगिक विकास में योगदान देती रही है और

राजस्थान रॉयल्स एक ऐसी टीम जो देश के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करती है। राजस्थान रॉयल्स की यात्रा हमारी तरह ही है। राजस्थान में मजबूत जड़ें और पूरे देश में बढ़ती उपस्थिति। यह साझेदारी उन लोगों का सम्मान करने के बारे में भी है जो हर दिन मेहनत करके भारत का निर्माण करते हैं, चाहे वे किसी भी राज्य में रहते हों। हम इस साझेदारी को अपने स्टेकहोल्डर्स को टी20 की ऊर्जा और भरोसे एवं निरंतरता जैसे साझा मूल्यों के करीब लाने का माध्यम मानते हैं। छोटे शहरों के घरों से लेकर बड़े शहरों की बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं तक।

राजस्थान रॉयल्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आलोक चित्रे ने कहा, 'हमें खुशी है कि 2026 सीज़न के लिए जेके लक्ष्मी सीमेंट राजस्थान रॉयल्स का प्रिंसिपल स्पॉन्सर बना है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि राजस्थान का एक प्रमुख ब्रांड रॉयल्स की जर्सी के पीछे होगा। राज्य और उससे आगे मजबूत उपस्थिति के कारण जे के लक्ष्मी सीमेंट हमारे लिए एक स्वाभाविक साझेदार है। हम पूरे सीज़न के दौरान प्रशंसकों और समुदायों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।'

जे के लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा, 'राजस्थान हमेशा से हमारी यात्रा का अहम हिस्सा रहा है, जिसने हमारी पहचान और विकास को आकार दिया है। राजस्थान रॉयल्स के साथ यह साझेदारी इस मजबूत रिश्ते को और गहरा बनाती है और उत्कृष्टता, बेहतर प्रदर्शन और दीर्घकालिक सहयोग जैसे साझा मूल्यों को दर्शाती है। टी20 लीग राजस्थान को राष्ट्रीय मंच देती है और हमें खुशी है कि हम ऐसी टीम के साथ खड़े हैं जो इस अद्भुत राज्य की भावना और उत्कृष्टता को दर्शाती है।'

रोहित से सीखा है शांत रहकर कप्तानी करना : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने कुशल कप्तानी के लिए चर्चाओं में बने हुए हैं। अब तक उनकी कप्तानी में भारतीय टीम की जीत का रिकार्ड सबसे अच्छा रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण सूर्यकुमार के शांत स्वभाव को भी माना जाता है, चाहे टीम से कोई गलती ही क्यों न हो जाए वह भड़कते नहीं है। इस पर उन्होंने बताया कि उन्होंने यह तरीका पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से सीखा है। सूर्या ने कहा कि जब वह रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते थे, तब उन्होंने देखा कि रोहित की प्रतिक्रिया हर परिस्थिति में एक जैसा रहती थी। वह गुस्सा करने के बजाय स्थिति को शांत तरीके से संभालते थे।सूर्यकुमार यादव का मानना है कि कप्तान का काम खिलाड़ियों पर दबाव बनाना नहीं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास देना होता है।उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता या खराब गेंद नहीं डालता। हर खिलाड़ी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है। अगर गलती हो जाती है तो कप्तान और टीम का काम उसे सुधारने में मदद करना होता है। हालांकि सूर्यकुमार ने साफ किया कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों या रिकॉर्ड पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। उनके मुताबिक असली महत्व टीम की जीत का होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं है और यही सोच टीम के बाकी खिलाड़ियों में भी दिखाई देती है। सूर्या का मानना है कि जब पूरी टीम एक ही लक्ष्य और सोच के साथ मैदान पर उतरती है, तभी ऐसे शानदार परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। सूर्या की कप्तानी में टीम ने कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से 42 मुकाबलों में जीत हासिल की है। भारत को सिर्फ 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 2 मुकाबले बिना किसी परिणमा के समाप्त हुए। इस तरह टीम का जीत प्रतिशत 80 फीसदी से भी अधिक है। टी20 जैसे फॉर्मेट में इतना प्रभावशाली रिकॉर्ड किसी भी कप्तान के लिए बेहतरीन माना जाता है।

एफआईएच हॉकी नेशन कप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल एफआईएच हॉकी नेशन कप की तैयारियों में लगी है। एफआईएच हॉकी नेशन कप 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाएगा। साल 2021 में हुई हॉकी नेशंस कप हॉकी प्रो लीग से बाहर रही सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों की एक शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिता है। इसमें विजयी रही टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में प्रवेश मिलता है। भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में अंतिम स्थान पर होने के कारण प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा नेशन कप में मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। वहीं इस टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी भाग लेगी। पुरुष वर्ग का टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए पुरुष टीम भी आजकल कड़े अभ्यास में लगी हुई है।

धोनी को अगला कोच देखना चाहते हैं गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह चाहते हैं अगले कोच महेन्द्र सिंह धोनी बने। गंभीर के धोनी के साथ अच्छे संबंध नहीं रहे हैं पर अब ये बयान देकर गंभीर ने दिखाया है कि दोनो में किसी प्रकार की दूरियां नहीं हैं। गंभीर ने धोनी को अपना संभावित उत्तराधिकारी बताते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह कोच बने। एक कार्यक्रमकके दौरान गंभीर ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि उनका विश्व कप फाइनल देखने आना और उनका संदेश देना बेहद खास था। उन्होंने कहा, अच्छा लगा कि वह फाइनल देखने आए और मुझे मुस्कुराने को कहा। मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह हों और मैं उन्हें उसी तरह संदेश दूं। यह बयान सिर्फ तारीफ नहीं, बल्कि धोनी के कोच बनने की संभावना की ओर इशारा माना जा रहा है। पहले कई बार गंभीर और धोनी के तनावपूर्ण रिश्तों को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। गंभीर अक्सर टीम इंडिया की सफलता में धोनी को ज्यादा श्रेय दिए जाने पर सवाल उठाते थे पर अब अब दोनों के बीच सम्मान और तालमेल साफ नजर आ रहा है। वहीं अगर अनुभव की बात करें तो धोनी के पास पारंपरिक कोचिंग अनुभव कम है। उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के मेंटर की भूमिका निभाई थी। लेकिन उनकी असली ताकत है मैच को पढ़ने की अद्भुत क्षमता, दबाव में शांत रहने की कला, कप्तान के तौर पर शानदार रिकॉर्ड, आईपीएल के जरिए टी20 क्रिकेट की गहरी समझ; कई विशेषज्ञ मानते हैं कि धोनी पहले मेंटर या डायरेक्टर की भूमिका निभा सकते हैं, फिर कोच बन सकते हैं।

ईरान विश्व कप मैचों को स्थानांतरित करने के लिए फीफा के संपर्क में: मेक्सिको स्थित ईरान दूतावास

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको स्थित ईरान के दूतावास ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने विश्व कप मैचों को अमेरिका से मेक्सिको स्थानांतरित करने के लिए फीफा से बातचीत कर रहा है। यह कदम उस समय सामने आया है जब सह मेजबान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ईरान को टूर्नामेंट में भाग लेने से हतोत्साहित किया। फीफा की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस तरह की कोई औपचारिक बातचीत चल रही है या नहीं।

फीफा ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ईरान के अधिकारियों ने पहले कहा था कि विश्व कप के दौरान टीम की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और अमेरिका की जिम्मेदारी है। दूतावास ने ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज के हवाले से बयान जारी करते हुए कहा कि खिलाड़ी और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान अपने ग्रुप चरण के मैच मेक्सिको में कराना चाहता है।

इस बयान के मुताबिक, 'जब ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ईरान की राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका की यात्रा नहीं करेंगे। हम वर्तमान में फीफा के साथ बातचीत कर रहे हैं कि विश्व कप में ईरान के

मैच मेक्सिको में आयोजित किए जाएं।' यह विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है। ईरान को 16 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ कैलिफोर्निया के इंगलवुड में मैच खेलने हैं, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला निर्धारित है।

विश्व कप शुरू होने से तीन महीने से भी कम समय पहले मैचों का स्थान बदलना अभूतपूर्व कदम होगा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद ईरान टीम का स्वागत है, लेकिन 'मुझे नहीं लगता कि अपने जीवन और सुरक्षा के लिए उनका वहां होना उचित है।' पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने टूर्नामेंट में भागीदारी को लेकर मिश्रित संकेत दिए हैं। अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौत हुई है।

खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने पिछले सप्ताह सरकारी टीवी से कहा था, 'ईरान के खिलाफ किए गए कृत्यों के कारण खेलना संभव नहीं है।' ट्रंप के बयान के बाद राष्ट्रीय टीम ने हालांकि इंस्टाग्राम पर लिखा, 'कोई भी उसे टूर्नामेंट से बाहर नहीं कर सकता।' तेहरान में सरकार के एक प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और मेजबान देश अमेरिका की जिम्मेदारी है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, 'फीफा विश्व कप का आयोजक है। जब उच्च स्तर पर यह चेतावनी दी जाती है कि ईरान के खिलाड़ियों के लिए माहौल सुरक्षित नहीं है, तो यह दर्शाता है कि मेजबान देश के पास इतने बड़े खेल आयोजन के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है।'

ईरान में फुटबॉल बेहद लोकप्रिय है। नौ करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश अब तक सात पुरुष विश्व कप में भाग ले चुका है। इसमें लगातार पिछले चार सत्रों के लिए क्वालीफाई करना भी शामिल है। फीफा रैंकिंग में टीम 20वें स्थान पर है और एशिया में केवल जापान से पीछे है। फीफा ने हाल के दिनों में इस मुद्दे पर कोई नई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने पिछले सप्ताह इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा था कि उन्हें ट्रंप से आश्वासन मिला है कि ईरान टीम का टूर्नामेंट में स्वागत है।

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं। भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई। रॉजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आयेंगे। सैमसन ने जिस प्रकार लंबे समय तक रॉयल्स की ओर से खेलने के बाद उसे छोड़ा उसको लेकर कई बार सवाल उठते रहे हैं। जिसको लेकर अब संजू ने अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि रॉयल्स में उनका समय समाप्त हो गया था। सैमसन आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले एक ट्रेड डील के जरिये सीएसके में चले गये थे। सैमसन के रॉयल्स छोड़कर अचानक ही सीएसके में जाने से प्रशंसक भी हैरान थे। इसी को देखते हुए आईपीएल के 2026 सत्र से पहले सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के अपने फैसले को लेकर बताया है। सैमसन के अनुसार उन्होंने साल 2018 से 2025 तक रॉयल्स की ओर से खेलनें क बाद देखा कि अब टीम के साथ उनका समय पूरा हो गया है। सैमसन ने रॉयल्स के लिए 11 आईपीएल सीजन खेले हैं। जिससे वह टीम के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह 2013 से 2015 तक भी इस टीम का हिस्सा रहे थे, इसके बाद उन्होंने दो सत्र 2016-2017 तब की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेला था। सैमसन ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैं आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेलने जा रहा हूं। मैं मैदान पर कदम रखते ही भावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। खेल ही सब कुछ तय करता है। मैच से पहले और मैच के बाद, जब मैं पुरानी टीम के साथ खेलता हूं, तो वहां कई खिलाड़ी हैं जिनके साथ हमने बचपन में खेला है। बहुत सारे प्रबंधन से जुड़े और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी हैं। मुझे सबका प्यार और सम्मान मिला है। मैंने पहले कहा, हर किसी का अपना समय होता है। मेरा समय राजस्थान रॉयल्स के साथ था पर अब मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। इसको लेकर मेरा मन उत्साहित भी है।'

स्क्वाश के ओलंपिक का हिस्सा बनने के बाद सभी खिलाड़ियो की नजरें लॉस एंजिलिस खेलों पर:अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा, 'बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते।' अनाहत ने कहा, 'अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं।'

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है।

उन्होंने कहा, 'यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।' टंडन ने कहा, 'ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है।'

टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है।'

टंडन ने कहा, 'तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने

पर भी विचार कर रहे हैं।' अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और 2023 में दो कांस्य पदक जीतने के बाद अब वह एशियाई खेलों में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शर्मनाक करतूत : पाकिस्तान ने आतंकी बताकर 400 मरीजों और आम लोगों की कर दी हत्या

काबुल।

अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नशा मुक्ति केंद्र के रूप में संचालित एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 400 हो गया है। अफ़गान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने मंगलवार सुबह पुष्टि की कि सोमवार देर रात हुए इस हमले ने 2,000 बेड की क्षमता वाले उमर एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल के एक बड़े हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया है। इस हमले में लगभग 250 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि बचाव दल अभी भी इमारत में लगी आग बुझाने और मलबे से शवों को निकालने के कार्य में जुटे हुए हैं।

पाकिस्तानी पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और गुमराह करने वाला करार दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने केवल काबुल और नंगरहार प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों और आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। पाकिस्तानी सूचना मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में तालिबान के तकनीकी उपकरणों और गोला-बारूद के गोदामों को सटीक निशाना बनाया गया, जिनका उपयोग पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ हो रहा था। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मुशर्रफ़ ज़ैदी ने स्पष्ट किया कि किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया है।

हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों और अफ़गान अधिकारियों का बयान इसके उलट है। अस्पताल के सुरक्षा गार्ड ओमिद स्तानिकजई ने बताया कि हमले से पहले आसमान में लड़ाकू विमान गश्त कर रहे थे। जब स्थानीय सैन्य टुकड़ियों ने जेट पर गोलीबारी की, तो जेट ने बम गिराए जिससे भीषण आग लग गई। अफ़गान प्रवक्ता ज़बीहुल्ला मुजाहिद ने इसे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन और इंसानियत के खिलाफ जुर्म बताया है। इस त्रासदी पर दुख जताते हुए अफ़ग़ानी क्रिकेटर राशिद खान ने सोशल मीडिया पर इसे युद्ध अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि पवित्र रमज़ान के महीने में चिकित्सा संस्थानों को निशाना बनाना घिनौना कृत्य है। राशिद ने

संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार एजेंसियों से इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जवाबदेह ठहराने की अपील की है। यह हवाई हमला दोनों देशों के बीच साझा सीमा पर हुई गोलीबारी के कुछ ही घंटों बाद हुआ। पिछले तीन हफ्तों से पड़ोसी देशों के बीच जारी यह तनाव अब तक के सबसे भीषण दौर में पहुंच गया है, जिससे क्षेत्र में स्थिरता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

युद्ध की विभीषिका: दाने-दाने को मोहताज लोग, जीवन बचाने के लिए सीमा पारपलायन

तेहरान ।

वर्तमान में ईरान भीषण युद्ध की आग में झुलस रहा है। अमेरिकी और इजरायली हमलों ने न केवल देश के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी नर्क बना दिया है। युद्ध के कारण पैदा हुई बदहाली और आसमान छूती महंगाई ने ईरानी लोगों को अपना घर छोड़कर पड़ोसी देश इराक की ओर भागने पर मजबूर कर दिया है। हाजी उमरान बॉर्डर क्रॉसिंग जैसे ही खुली, वहां इंसानियत की बेबसी की तस्वीरें साफ दिखाई देने लगीं। युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार जब सीमा खुली, तो दर्जनों ईरानी परिवार उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र में दाखिल हुए। उनके झोलों में सामान कम और जिंदा रहने की उम्मीदें ज्यादा थीं। युद्ध ने ईरान की अर्थव्यवस्था को इस कदर चोट पहुंचाई है कि लोग अब सिर्फ बुनियादी जरूरतों जैसे चावल, तेल और सिम कार्ड के लिए मीलों का सफर तय कर रहे हैं। इजरायली हवाई हमलों और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान में महंगाई बेकाबू हो चुकी है, जिससे आम आदमी की पहुंच से राशन बाहर हो गया है। सीमा पार करने वाले लोगों ने बताया कि ईरान के भीतर हालात बेहद खौफनाक हैं।

अमेरिका खर्ग द्वीप की तेल पाइपलाइनों पर करेगा हमला, ट्रंप ने दी ईरान को चेतावनी

इस द्वीप में पाइपलाइनों, भंडारण और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता

तेहरान।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध थमता नजर नहीं आ रहा है। इस जंग के बीच खर्ग द्वीप चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जो ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और खुद ट्रंप ने इसे ईरान का क्राउन ज्वेल बताया है। बीते दिनों अमेरिकी हमले में यहां मौजूद सैन्य ठिकानों को नष्ट करने का दावा ट्रंप ने किया था और अब उन्होंने फिर से इस आइलैंड को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका सेना यहां मौजूद तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ये ईरान के लिए बड़ा झटका होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी ह ै। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के खर्ग द्वीप पर स्थित तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका ने पिछले हमलों के दौरान जानबूझकर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने से परहेज किया था। उन्होंने बताया कि हमने द्वीप पर हमला किया था और उसे तबाह कर दिया, जिसमें वहां मौजूद तेल भंडार वाले क्षेत्र को छोड़कर सब कुछ नष्ट हो गया है।

ट्रंप के मुताबिक खर्ग द्वीप पर मौजूद पाइपलाइनें छोड़ दी थी, हम ऐसा नहीं करना चाहते थे, लेकिन हमें ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह संयम आंशिक रूप से उस बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए था, जिसका उपयोग भविष्य में ईरान के पुनर्निर्माण के दौरान किया जा सकता है।

बता दें ईरान का खर्ग द्वीप इसका मुख्य तेल टर्मिनल और ऑयल एक्सपोर्ट का सेंटर है। वैश्विक बाजारों में देश के कच्चे तेल के लगभग 90फीसदी शिपमेंट को यहीं से संभाला जाता है। इसे ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। फारस की खाड़ी में ईरानी दक्षिणी तट से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित

यह द्वीप तेल पाइपलाइनों, भंडारण सुविधाओं और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता रखता है और गहरे पानी के लोडिंग जेट्टी के जरिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से इसे जोड़ता है। ये ईरान सरकार के लिए करीब 78 अरब डॉलर की रेवेन्यू मशीन है, इस आय का एक बड़ा हिस्सा ईरान की सैन्य क्षमता पर खर्च होता है।

बता दें ट्रंप ने एक बार फिर अन्य देशों से होर्मुज स्ट्रेट को लेकर सहयोगी देशों से मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम उन अन्य देशों को प्रोत्साहित करते हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था इस समुद्री तेल रूट पर हमारी तुलना में कहीं ज्यादा निर्भर है, जबकि हमें इसके जरिए अपने तेल का सिर्फ 1फीसदी से भी कम प्राप्त होता है। जापान को 95फीसदी, चीन को 90फीसदी और कई यूरोपीय देशों को काफी मात्रा में यहां से तेल प्राप्त होता है। हम चाहते हैं कि वे होर्मुज के मामले में हमारी मदद करें। बता दें तमाम देशों ने ट्रंप के होर्मुज पर युद्धपोत भेजने के आग्रह को ठुकराकर उन्हें झटका दिया है।

जीत का दावा करने वाले ट्रम्प के राजनीतिक लक्ष्य नहीं हुए पूरे, ईरान में पुराना शासन बरकरार

-विशेषज्ञ बोले-तेहरान के पास अब भी ऐसी रणनीतिक क्षमता, वह युद्ध का बदल सकता है रुख

वॉशिंगटन।

ईरान के खिलाफ जारी युद्ध को दो सप्ताह से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद तेहरान में सत्ता परिवर्तन नहीं हो पाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही सैन्य जीत का दावा कर सकते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान आगे किस तरह की प्रतिक्रिया देता है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध में ईरान की नौसेना को भारी नुकसान हुआ है। उसकी कई मिसाइलें नष्ट हो चुकी हैं और कुछ शीर्ष सैन्य कमांडर भी मारे गए हैं। इसके बावजूद ट्रम्प के राजनीतिक लक्ष्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं। ईरान में पुराना शासन कायम है और उसने होर्मुज स्ट्रेट के जरिए वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी है।

खामेनेई समलैंगिक !

ईरान के नए सुप्रीम लीडर को लेकर रिपोर्ट से मचा विवाद, अमेरिकी मीडिया में दावा

तेल अवीव ।

ईरान के संभावित नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को लेकर अमेरिकी मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को दी गई एक गोपनीय ब्रीफिंग में बताया कि मुजतबा खामेनेई संभवतः समलैंगिक हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार खुफिया सूत्रों ने यह भी कहा कि उनके पिता और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को इस बात की चिंता थी कि इस वजह से मुजतबा की देश का नेतृत्व करने की क्षमता पर सवाल उठ सकते हैं। बताया गया है कि जब ट्रम्प को यह जानकारी दी गई तो वे हैरान रह गए और इस पर जोर से हंस पड़े। कमरे में मौजूद कुछ अन्य लोग भी इस प्रतिक्रिया में शामिल हो गए।

न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में तीन सूत्रों का हवाला दिया है, जिनमें दो खुफिया अधिकारी और एक व्हाइट हाउस से जुड़ा व्यक्ति बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुजतबा खामेनेई के निजी जीवन से जुड़ी यह जानकारी उनके बचपन के एक शिक्षक या परिवार

से जुड़े किसी व्यक्ति के साथ संबंधों के संदर्भ में सामने आई है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन दावों के समर्थन में अमेरिकी एजेंसियों के पास कोई सार्वजनिक फोटो या वीडियो प्रमाण नहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि ईरान में समलैंगिक संबंध कानूनन अपराध माने जाते हैं और इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान है। इस रिपोर्ट पर अभी तक ईरान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है।

जो नहीं कर सके कार्टर और रीगन वह ट्रंप ने कर दिखाया, यूएस के बने पहले राष्ट्रपति

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि सेंट्रल कमांड ने ईरान के सबसे बड़े तेल टर्मिनल खर्ग आईलैंड पर भीषण हमला किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूएस सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी में ईरान के ताज का गहना कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर लक्ष्य को तबाह कर दिया। इसके साथ ही ट्रंप ईरान के खर्ग द्वीप पर हमले का आदेश देने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। यहां तक कि 1979 के बंधक संकट के दौरान भी इस द्वीप पर हमला नहीं किया गया था। 1979 में इस्लामिक क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मियों को बंधक बना लिया गया था। दो साल तक चले बंधक संकट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इस द्वीप पर हमले करने से बचते रहे।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद 1980 के दशक में ईरान और इराक के बीच युद्ध शुरू हो गया। इस दौरान कार्टर के उत्तराधिकारी रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकी सेना को क्षेत्र उतारा, जिसने ईरानी जहाजों और मिसाइल बैटरियों को निशाना बनाया, लेकिन रीगन ने भी अपने पूर्ववर्ती की

तरह ही खर्ग पर हमला नहीं किया। 9 मार्च को जेपी मॉर्गन के एक नोट के हवाले से बताया कि आठ साल के युद्ध के दौरान इराकी सेनाओं ने खर्ग के कुछ टर्मिनलों और टैंकरों पर हमले किए थे, लेकिन यह ज्यादातर चालू हालत में रहे। हमलों के दौरान हुए नुकसान की मरम्मत जल्दी कर ली जाती थी।ईरान के मुख्य तट से करीब 28 किमी की दूरी पर स्थित खर्ग आईलैंड देश

का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल है। यह द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है, क्योंकि यहां से देश के पूरे तेल निर्यात का करीब 90 फीसदी गुजरता है। इसकी खासियत द्वीप का गहरा तट है, जहां एक साथ कई सुपरटैंकर डॉक होते है

और तेल लोड करके निर्यात के लिए निकलते हैं। ट्रंप ने कहा कि हमले द्वीप पर मौजूद सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थे और तेल ढांचे को इससे दूर रखा गया था। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही में कोई रुकावट डालता हैं, तो वह इन प्रतिष्ठानों पर हमला कर देंगे।

यूरोप और रूस तक सुनाई दे रही है पश्चिम एशिया युद्ध की गूंज, ट्रंप की बढ़ी बेचैनी

-ईरान ने भारत से कहा- ब्रिक्स समिट के बयान में अमेरिकी हमलों की निंदा की जाए

वाशिंगटन,

पश्चिम एशिया का युद्ध अब सिर्फ क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, इसके गहरे जियोपॉलिटिकल असर सामने आ रहे है। यूरोप और रूस तक इसकी गूंज सुनाई दे रही है। तेल बाजार, कूटनीति और वैश्विक गठबंधनों में नए समीकरण बन रहे हैं। इससे साफ है कि इस संघर्ष के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति और रिश्ते पहले जैसे नहीं रहेंगे। पश्चिम एशिया के युद्ध में ईरान के कड़े तेवरों के बीच ट्रंप के बयानों में बेचैनी नजर आ रही है। उन्हें डर है कि लंबा युद्ध, बढ़ती तेल कीमतें और यूएस के लिए नुकसान संकट बन सकते हैं। नवंबर 2026 के मिडटर्म चुनाव नजदीक है और हार की स्थिति में महाभियोग का खतरा राजनीतिक

भविष्य को प्रभावित कर सकता है।मीडिया रिपोर्ट के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईरान ने भारत से कहा है कि ब्रिक्स समिट के बयान में अमेरिकी हमलों की निंदा की जाए। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका के साथ सऊदी अरब, यूएई और ईरान है। ऐसे में पश्चिम एशिया संकट के बीच समिट में संतुलन कैसे बनेगा, इस पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रीनलैंड मुद्दे पर अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच तनाव थमा भी नहीं था कि इस संघर्ष पर मतभेद सामने आ गए।

नेतन्याहू की मौत की अफवाहों पर लगा विराम, इजरायली पीएमओ ने दावों को बताया फेक न्यूज

तेलअवीव,। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत की अफवाहें जंगल की आग की तरह फैल रही थीं। इन चर्चाओं ने तब और जोर पकड़ लिया जब नेतन्याहू के एक हालिया वीडियो को एआई डीपफेक बताया जाने लगा। हालांकि, अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने आधिकारिक बयान जारी कर इन सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है और स्पष्ट किया है कि नेतन्याहू पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। अफवाहों का यह सिलसिला तब शुरू हुआ जब 13 मार्च को नेतन्याहू के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया। इस वीडियो में वे एक मंच से भाषण देते नजर आ रहे थे। इंटरनेट यूजर्स ने वीडियो के एक विशिष्ट फ्रेम को जूम करके यह दावा करना शुरू कर दिया कि उनके दाहिने हाथ में छह उंगलियां दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया पर इसे क्लासिक एआई ग्लिच करार दिया गया और तर्क दिया गया कि चूंकि प्रधानमंत्री कुछ समय से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं, इसलिए सरकार उनकी मौत की खबर छिपाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले रही है।इन दावों की गंभीरता को देखते हुए इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने तुर्की मीडिया के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी किया। कार्यालय ने कहा, यह पूरी तरह से फेक न्यूज है। प्रधानमंत्री सुरक्षित हैं और अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। इस बयान का मुख्य उद्देश्य उन भ्रामक सूचनाओं पर लगाम लगाना था, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ईरान द्वारा किए गए जवाबी हमलों में नेतन्याहू को निशाना बनाया गया है।

किम जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया को चेताते हुए किया मल्टी-रॉकेट टेस्ट का निरीक्षण

प्योंगयांग,। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए अपनी बेटी के साथ एक शक्तिशाली मल्टी-रॉकेट लॉन्चर परीक्षण का निरीक्षण किया है। सरकारी मीडिया द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार, किम जोंग उन ने शनिवार को देश के पूर्वी तट पर 12 अति-सटीक 600 मिमी कैलिबर के रॉकेट प्रक्षेपकों के परीक्षण की निगरानी की। इस कदम को अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास के कड़े जवाब के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि वह इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों का मुंहतोड़ जवाब देगा, जिन्हें वह अपने ऊपर आक्रमण की तैयारी और उकसावे के रूप में देखता है। परीक्षण के दौरान किम जोंग उन ने स्पष्ट किया कि यह अभ्यास उनके दुश्मनों को बेचैन करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि इन हथियारों की मारक क्षमता के दायरे में आने वाला प्रतिद्वंद्वी का कोई भी सैन्य बुनियादी ढांचा बच नहीं पाएगा। किम ने यह भी रेखांकित किया कि इस परीक्षण के माध्यम से दुनिया उनके सामरिक परमाणु हथियार की विनाशकारी शक्ति को बेहतर ढंग से समझ सकेगी।

ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई पाकिस्तानी नौसेना.....होर्मुज जलडमरूमध्य जाने से किया इंकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे अपने मालवाहक जहाजों को एस्कॉर्ट करने से पीछे हटी है। यह बात खुद पाकिस्तान ने स्वीकार की है कि वह इसके लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को न पार करेगी और ना ही फारस की खाड़ी में कोई अभियान चलाएगी। इसके इतर, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज अरब सागर में ही रुके रहने वाले है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान ने इस इलाके को समुद्री बारूदी सुरंगों से पाट दिया है, जिससे न सिर्फ युद्धपोतों बल्कि मालवाहक जहाजों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।पाकिस्तानी मीडिया ने वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य पर नहीं, बल्कि अपने समुद्री मार्गों पर मर्चेंट शिप को एस्कॉर्ट कर रही हैं। इस ऑपरेशन की सीधी जानकारी रखने वाले एक सुरक्षा ऑफिसर ने बताया कि यह अहम रास्ता बंद होने से दुनिया भर में एनर्जी संकट के बीच हुआ है। उसने कहा कि यह ऑपरेशन मुहाफिज-उल-बहर सिर्फ पाकिस्तान की अपनी समुद्री कम्युनिकेशन लाइनों पर फोकस है, खासकर कराची को खाड़ी क्षेत्र और लाल सागर से जोड़ने वाले रूट पर। इन ऑपरेशन को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को एस्कॉर्ट करने के तौर पर गलत नहीं समझना चाहिए।

ईरान के स्कूल पर हमले से भड़के अमेरिकी पूछा- क्या एआई से चुना गया था टारगेट

वाशिंगटन। ईरान के एक गर्ल्स स्कूल पर हुए अमेरिकी हमले में 175 छात्राओं की मौत हो गई थी। इस घटना से पूरी दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निंदा हुई थी। इस हमले को मानवता के खिलाफ बताया गया था। अब अमेरिका में ही ट्रंप से पूछा जा रहा है कि क्या टारगेट चुनते समय एआई का उपयोग हुआ था। अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक सीनेटर्स ने इस मामले में पेंटागन से जवाब मांगा है और घटना की पूरी जांच की मांग की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में कम से कम 175 लोगों की मौत हुई, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राएं थीं। 28 फरवरी को ईरान के मिनाब शहर में यह हमला ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान हुआ था। इस दौरान शाजारेह तैय्येबेह गर्ल्स एलिमेंट्री स्कूल को निशाना बनाया गया, जहां बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।

जहाज़ों की ठप होती आवाजाही के चलते ईंधन और खाद्य क़ीमतों में आ सकता है उछाल

तेहरान। ईरान पर इजरायली और अमेरिकी हवाई हमलों के बाद भड़के भीषण संघर्ष ने मध्य पूर्व के सामरिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को युद्ध के मैदान में बदल दिया है। ईरान और ओमान के बीच स्थित यह संकरा समुद्री रास्ता, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है, वर्तमान में असुरक्षा के चरम दौर से गुजर रहा है। इस मार्ग से गुजर रहे तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक व्यापारिक समुदाय में हड़कंप मचा दिया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल में टीएमसी लगातार सत्ता में बने रहने तो बीजेपी परिवर्तन के लिए चुनाव मैदान में

सीपीएम ने 192 सीटों के लिए प्रत्याशियों किए घोषित, मुकाबला हो सकता है त्रिकोणीय

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सियासी तेज हो गई है। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं, वहीं राजनीतिक दल भी अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव कई मायनों में खास माना जा रहा है, क्योंकि सत्तारूढ़ दल टीएमसी एक और कार्यकाल के लिए मैदान में डट गई है, वहीं विपक्षी बीजेपी बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा कर रही है। दूसरी ओर वाम मोर्चा भी अपने संगठन को फिर से सक्रिय करते हुए चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर रहा है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग ने बंगाल में दो चरण में चुनाव कराने की घोषणा की है। इसमें पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। इसके लिए 30 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन प्रक्रिया 30 मार्च से 6 अप्रैल तक चलेगी। 7 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 9 अप्रैल तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव की पूरी प्रक्रिया के बाद 4 मई को वोटों की गिनती होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनाव की घोषणा के साथ ही सभी दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा भी शुरू कर दी है, जिससे राजनीतिक समीकरणों में नई हलचल देखने को मिल रही है।बात दें बीजेपी ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें 144 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए। बीजेपी ने इस सूची में कई प्रमुख चेहरों को मैदान में उतारा है। पार्टी ने ममता बनर्जी को घेरने के लिए सुवेंदु अधिकारी को दो जगह भवानीपुर और नंदीग्राम से मैदान में उतारा है। पिछले चुनाव में सुवेंदु ने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को करीब 2000 वोटों के अंतर से हराया था। इसके अलावा सुवेंदु अग्निमित्र पॉल को आसनसोल दक्षिण सीट से टिकट दिया गया है, जबकि कूचबिहार उत्तर (आरक्षित) से सुकुमार को उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह शीतलकुची (आरक्षित) से साबित्री बरमन और दिनहाटा से अजय रॉय को चुनाव मैदान में उतारा है। बीजेपी की इस सूची में कई पुराने विधायकों को टिकट नहीं दिया है, जिससे पार्टी के अंदर चर्चा का बाजार गर्म है।बीजेपी सूत्रों के मुताबिक जिन 144 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उनमें से 48 सीटें पहले बीजेपी के पास थीं। हालांकि इस बार पार्टी ने अपने कई मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है। 40 निवर्तमान विधायकों को ही दोबारा मौका मिला है, जबकि आठ विधायकों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया या उन्हें टिकट नहीं मिला, जिन आठ सीटों पर उम्मीदवार बदले गए हैं, उनमें तीन सीटें उत्तर बंगाल, तीन रहबंगा क्षेत्र और दो दक्षिण बंगाल की हैं।दूसरी ओर वाम मोर्चे की सबसे बड़ी पार्टी सीपीएम ने भी अपनी प्रारंभिक उम्मीदवार लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें 192 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं. हालांकि इस सूची के सामने आने के बाद पार्टी के भीतर कुछ सीटों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं. खास तौर पर मुर्शिदाबाद जिले की रानीनगर सीट पर उम्मीदवार घोषित न किए जाने से पार्टी के अंदर चर्चा तेज हो गई है. पिछले लोकसभा चुनाव में इसी सीट पर पार्टी के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम को बढ़त मिली थी, इसलिए माना जा रहा था कि वे विधानसभा चुनाव में इसी सीट से मैदान में उतर सकते हैं, लेकिन पार्टी की एक आंतरिक नीति के कारण मामला फिलहाल अटका हुआ है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस बार राज्य सचिव मंडल के अधिकांश सदस्य चुनाव नहीं लड़ेंगे और केवल मीनाक्षी मुखर्जी को ही अपवाद के तौर पर हुगली जिले की उत्तरपाड़ा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इसी नीति के कारण रानीनगर और टॉलीगंज सीटों पर उम्मीदवार घोषित नहीं किए गए हैं। हालांकि पार्टी के अंदर चर्चा है कि अगर वरिष्ठ नेता सुजान चक्रवर्ती टॉलीगंज सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार होते हैं, तो मोहम्मद सलीम के लिए रानिनगर से चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

खबर है कि सुजन चक्रवर्ती को टॉलीगंज सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन उन्होंने फिलहाल चुनाव लड़ने में रुचि नहीं दिखाई है। उनके करीबी नेताओं का कहना है कि वे संगठन और प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं, न कि चुनावी मैदान में उतरना। हालांकि पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि अंततः वे पार्टी के निर्णय का सम्मान करेंगे।

पीएम मोदी से पूरे परिवार के साथ मिले वरुण गांधी.....राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज

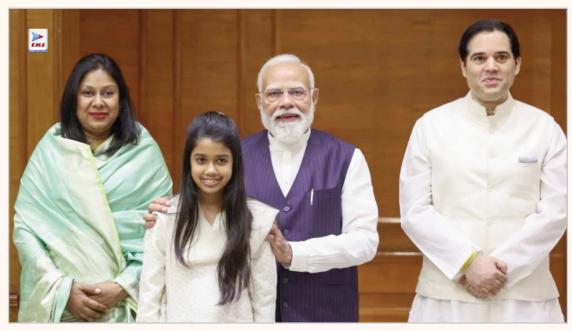

नई दिल्ली । भारतीय राजनीति में हाल ही में वरुण गांधी की सक्रियता को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में हाशिये पर चल रहे वरुण गांधी ने अपने परिवार के साथ मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें उनकी पत्नी और बेटी भी दिख रही हैं।वरुण गांधी ने मुलाकात को खास बताकर लिखा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से ÷पितृवत स्नेह और मार्गदर्शन÷ मिला। उनके इस भावनात्मक बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या वे फिर से पार्टी की मुख्यधारा में लौट सकते हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें भविष्य में कोई अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां चुनाव होने वाले हैं, जैसे पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी उनका इस्तेमाल कर सकती है।गौरतलब है कि वरुण गांधी ने 2009, 2014 और 2019 में उत्तर प्रदेश की पीलीभीत सीट से लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीता था। हालांकि, 2024 के आम चुनाव में उन्हें टिकट नहीं मिला। इसके पीछे उनकी सरकार विरोधी टिप्पणियों को कारण माना गया। किसान आंदोलन के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों की खुलकर आलोचना की थी और किसानों के मुद्दों पर मुखर रहे थे। इसी वजह से पार्टी में उनकी स्थिति कमजोर होती गई और उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी से भी बाहर कर दिया गया। तब यह भी कयास लगाए गए थे कि वे पार्टी छोड़ सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। टिकट कटने के बाद वे काफी समय तक सार्वजनिक रूप से शांत रहे। अब प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर फिर से संभावनाएं बनती दिख रही हैं।

होर्मुज पार कर भारत आया लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस से भरा नंदा देवी जहाज

नई दिल्ली।

होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रूप से शिवालिक के बाद, एक और एलपीजी टैंकर नंदा देवी भारत पहुंचा। नंदा देवी होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस जहाज में 47 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस भरा है। मिडिल ईस्ट में गहराते संकट के बीच, होर्मुज़ से गुज़रने वाला यह भारत का दूसरा जहाज है। एक दिन पहले दूसरा एलपीजी टैंकर शिवालिक गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर 46,000 मीट्रिक टन से ज़्यादा एलपीजी लेकर पहुंचा था। इसमें घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के करीब 32.4 लाख स्टैंडर्ड घरेलू सिलेंडरों के बराबर एलपीजी थी। अधिकारियों का अनुमान था कि यह अकेला जहाज भारत की कुल

एलपीजी आयात की जरूरत का करीब एक दिन का हिस्सा पूरा कर सकता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को जहाजरानी मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया था कि शिवालिक और नंदा देवी के 16 मार्च और 17 मार्च को पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा था कि फारसी खाड़ी इलाके में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। फारसी खाड़ी में 24 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद थे। इनमें से दो जहाज़ शिवालिक और नंदा देवी सुरक्षित रूप से आ गए हैं।

राज्यसभा चुनावः हाईवोल्टेज ड्रामे के बीच भाजपा के भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध विजयी

चंडीगढ ।

हरियाणा से राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुआ चुनाव किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रहा। सोमवार को हुए मतदान के बाद साढ़े पांच घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे और लंबी खींचतान के बाद देर रात नतीजे घोषित किए गए। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजय भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध ने जीत दर्ज की है, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को शिकस्त का सामना करना पड़ा। मतों के गणित की बात करें तो संजय भाटिया को 31, कर्मवीर बौद्ध को 28 और सतीश नांदल को 27 वोट मिले। इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी ने मात्र एक वोट के अंतर से बेहद रोमांचक जीत हासिल की।

चुनाव प्रक्रिया सुबह 9 बजे शुरू हुई और शाम 4 बजे तक चली, जिसमें 90 सदस्यीय विधानसभा के 88 विधायकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनेलो के विधायकों ने मतदान से दूरी बनाए रखी। असली विवाद शाम 5 बजे मतगणना शुरू होने के वक्त पैदा हुआ। भाजपा ने कांग्रेस विधायक भरत सिंह बेनीवाल और परमवीर सिंह पर वोट की गोपनीयता भंग करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की। वहीं, कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज के वोट पर सवाल उठाए। शिकायतों के दौर और केंद्रीय चुनाव आयोग के दखल के कारण काउंटिंग साढ़े पांच घंटे रुकी रही। रात 10 बजे के बाद आयोग ने फैसला सुनाते हुए कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह का वोट रद्द कर दिया, जबकि अनिल विज के वोट को सही माना। इसके बाद रात करीब एक बजे नतीजों की आधिकारिक घोषणा हो सकी।

कांग्रेस के लिए यह जीत जितनी राहत भरी है, उतनी ही आत्ममंथन वाली भी, क्योंकि पार्टी के पांच विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग करने की बात सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जीत पर खुशी तो जताई, लेकिन उनके चेहरे पर अपनों के धोखे की टीस साफ नजर आई। हुड्डा ने इसे एक अग्निपरीक्षा करार देते हुए कहा कि जिन विधायकों ने ऐन मौके पर पार्टी के साथ गद्दारी की है, प्रदेश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। जीत के बाद भावुक हुए कांग्रेस विधायकों को संभालते हुए हुड्डा ने चुनाव अधिकारी के रवैये को पक्षपातपूर्ण बताया और आरोप लगाया कि निर्दलीय उम्मीदवार के जरिए वोट चोरी की कोशिश की गई थी। दूसरी ओर, कांग्रेस आलाकमान और राज्यसभा सदस्यों ने भाजपा पर लोकतंत्र के अपमान का आरोप लगाया। पार्टी प्रभारियों का कहना है कि सत्तापक्ष ने विधायकों की खरीद-फरोख्त और अनैतिक हथकंडों के जरिए चुनाव को प्रभावित करने की हर संभव कोशिश की।

अभिनेता से नेता बने विजय ने किया साफ.....एनडीए से गठबंधन नहीं, अपने दम पर

भाजपा ने टीवीके को 60 सीटें और डिप्टी सीएम का पद ऑफर किया

चेन्नई । दक्षिण फिल्म अभिनेता से नेता बने विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा दांव खेलकर साफ किया है कि उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) आगामी विधानसभा चुनाव पर अपने दम पर लड़ेगी। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की अटकलों को पूरी तरह खारिज किया है। विजय के फैसले से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हुई है। पत्तिनपक्कम में पार्टी नेताओं की बैठक के दौरान विजय ने काफी आत्मविश्वास के साथ कहा कि उनकी पार्टी किसी भी अन्य दल के साथ गठबंधन की बात नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि वे अपने-अपने इलाकों में जाकर जमीनी स्तर पर काम तेज करें, क्योंकि उम्मीदवारों की सूची जल्द ही जारी होगी। अभिनेता विजय ने बताया कि वे खुद पूरे तमिलनाडु का दौरा करुंगा और पार्टी को मजबूत बनाने में मैदान में उतरुंगा। दरअसल, बीते कुछ समय से यह चर्चा चल रही थी कि टीवीके और एनडीए के बीच गठबंधन की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर यह गठबंधन होता, तब चुनाव तीन ओर हो सकता था। लेकिन विचारधारा में अंतर और नेतृत्व को लेकर असहमति के कारण बात बन नहीं सकी।सूत्रों के मुताबिक, भाजपा ने टीवीके को करीब 60 सीटें और डिप्टी सीएम का पद ऑफर किया था। इसके जवाब में टीवीके की ओर से यह मांग रखी थी कि सत्ता साझा करने का फॉर्मूला हो, जिसमें विजय पहले आधे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनें। लेकिन इस प्रस्ताव को एआईएडीएमके नेतृत्व, खासकर एडप्पाडी के पलनीस्वामी ने स्वीकार नहीं किया, जिसके बाद बातचीत टूट गई।बताया जा रहा हैं कि तमिलनाडु में इस बार सीधा मुकाबला नहीं बल्कि चतुष्कोणीय कड़ा चुनावी संघर्ष देखने को मिलेगा। एक ओर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) का गठबंधन होगा, दूसरी ओर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) और भाजपा का साथ, तीसरी तरफ विजय की टीवीके और चौथी तरफ नाम तमिलर काची (एनटीके), जो पहले से ही अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी में है।अब टीवीके ने अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। खबर है कि करीब 60 सीटों के लिए नाम तय भी हो चुके हैं और जल्द ही पूरी सूची और घोषणापत्र जारी किया जाएगा। विजय के चेन्नई के पेरंबूर सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि आधव अर्जुन (विलिवक्कम) और आनंद (टी नगर) जैसे प्रमुख नेताओं को भी अलग-अलग सीटों से मैदान में उतारने की तैयारी है।

पिता नीतीश कुमार को फूलों का गुलदस्ता दिया और कंधे पर हाथकर मुस्कुराते दिखे निशांत

पटना।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय है। सोमवार को हुए मतदान के बाद रिजल्ट जारी हुआ और एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत तय कर दी गई। रिजल्ट के बाद एनडीए के इन नेताओं को बधाई मिल रही है। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने भी अपने पिता को जीत की बधाई दी है। राज्यसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद निशांत ने अपने एक्स हैंडल से सोमवार की शाम चार तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में वह अपने पिता नीतीश कुमार को गुलदस्ता देते नजर आ रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर में पिता के कंधे पर हाथ रखकर मुस्कुराते दिख रहे हैं।

फोटो शेयर करते हुए निशांत ने लिखा है, जय बिहार! आज एनडीए के पांचों लोगों की निर्णायक जीत पर मैंने पिताजी को बधाई दी। जिन्होंने हर बिहारवासी को गौरवान्वित किया उन्हें बधाई। अभिनंदन। एक पुत्र के रूप में मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वहीं एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत पर जेडीयू के एक्स हैंडल से लिखा गया- राज्यसभा चुनाव में एकजुट एनडीए ने बिहार के लिए नया इतिहास रच दिया है। पांचों सीटों पर शानदार जीत एनडीए की मजबूत एकजुटता का परिणाम है। यह सफलता सीएम नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व पर विश्वास और उनकी रणनीति की जीत है। समृद्धि की ओर बढ़ता बिहार हर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। एनडीए की यह निर्णायक जीत बिहार की प्रगति और एकजुटता की कहानी को और मजबूत करती है।

दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव जीतने पर बीजेपी नेता शिवेश कुमार ने कहा कि पहले दिन से ही मैं कह रहा था कि हम एक हैं और मैं पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने बिहार से रविदास समाज का बेटा भेजा...हम एक थे और पहले दिन से ही मेरा अंदाजा था कि हम जीतेंगे। कोई कन्फ्यूजन नहीं था।

मोतिहारी में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़ में दो अपराधी ढेर, एक जवान शहीद

पटना।

चकिया थाना क्षेत्र के सिहोरवा में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश मारे गए, जबकि एक पुलिस जवान बलिदान हो गया। घटनास्थल से पुलिस ने कार्बाइन समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सिहोरवा में छापेमारी की।

सूचना मिली थी कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियारों के साथ अपने एक दोस्त के घर में छिपा हुआ है। इस दौरान पुलिस की छापेमारी के दौरान पक्षों के बीच मुठभेड़ हो गई। मृतक बदमाश की पहचान कुंदन ठाकुर पिता फूलदेन ठाकुर, ग्राम बुल्लाचौक, थाना चकिया और प्रियांशु दुबे पिता संजय दुबे, ग्राम बसंतपुर, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। वहीं बलिदान एसटीएफ जवान की पहचान राम यादव के रूप में हुई है। घटना बीती रात 2:30 बजे की बताई जा रही है। मुठभेड़ में उज्वल कुमार और उसके पिता संत कुमार तिवारी दोनों को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि बदमाशों ने अपर थाना अध्यक्ष गौरव कुमार को फोन पर धमकी दी थी। घटनास्थल पर डीआईजी, एसपी समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

केंद्रीय मंत्री पुरी की बेटी हिमायनी को राहत.....एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवादित कंटेंट पर तत्काल रोक

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को बड़ी राहत देकर एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवादित कंटेंट पर तत्काल रोक लगा दी है। दिल्ली होईकोर्ट ने गूगल, मेटा और लिंक्डइन सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 24 घंटे के अंदर आपत्तिजनक सामग्री हटाने का आदेश दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला बनता है। अदालत ने कहा कि अगर विवादित कंटेंट पर रोक नहीं लगी, तब याचिकाकर्ता को अपूरणीय क्षति होगी। हिमायनी ने अपनी मानहानि याचिका में दावा किया कि एपस्टीन से जुड़े कुछ आरोपों को उनके नाम से गलत तरीके से जोड़ा गया है, इससे उनकी छवि गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। याचिका में 10 करोड़ रुपये के हर्जाने और सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि बयान गलत तरीके से जोड़े गए थे। आपत्ति दर्ज कराने के बाद भी कुछ कंटेंट नहीं हटाया। हिमायनी के वकील ने कहा कि निष्पक्ष रिपोर्टिंग की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना सबूत के नुकसान पहुंचाना मानहानि है।दिल्ली होई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि आरोपों की जांच करना एजेंसियों का काम है, अदालत इसका फैसला नहीं करेगी। लेकिन फिलहाल याचिकाकर्ता की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए अंतरिम राहत देना जरूरी है। अदालत ने सभी संबंधित प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि हिमायनी से जुड़ा कोई भी विवादित कंटेंट, जिसमें एपस्टीन फाइल्स का जिक्र हो और उन्हें गलत तरीके से जोड़ा गया हो, 24 घंटे के अंदर हटा दिया जाए।

पश्चिम बंगाल चुनाव में पहले चरण में कड़ा मुकाबला तो दूसरे चरण में टीएमसी का दबदबा!

राज्य में मतदान चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बहुत अहम, किसकी होगी चांदी

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तिथियों का ऐलान हो गया है। चुनाव कार्यक्रम के ऐलान के साथ ही राज्य की चुनावी तस्वीर को लेकर नई राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। इस बार राज्य में मतदान केवल दो चरणों में कराया जाएगा, जो चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बहुत अहम माना जा रहा है। पिछले चुनावों के नतीजों को नए चरणबद्ध कार्यक्रम पर लागू कर देखने से स्पष्ट होता है कि यह व्यवस्था सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए अपेक्षाकृत अनुकूल और विपक्षी बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल में दो चरणों में होने वाले चुनाव ने राज्य के चुनावी परिदृश्य को करीब दो अलग-अलग हिस्सों में बांट दिया है। पहले चरण में जहां मुकाबला अपेक्षाकृत कड़ा दिखाई देता है, वहीं दूसरे चरण में टीएमसी का दबदबा स्पष्ट नजर आता है। यही वजह है कि दोनों प्रमुख दलों की चुनावी रणनीति भी चरणों के हिसाब से अलग-अलग बनती दिख रही है। 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण में कुल 152 सीटों पर मतदान होना है। बता दें यदि 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजों को इन सीटों के आधार पर देखा जाए तो टीएमसी को करब 92 सीटों पर बढ़त मिलती दिखाई देती है, जो करीब 60.5 फीसदी है। वहीं बीजेपी को 59 सीटों पर जीत मिली थी, जो करीब 38.8 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है, जबकि एक सीट अन्य दलों के खाते में जाती दिखती है। इस चरण का राजनीतिक भूगोल काफी मिश्रित माना जा रहा है। उत्तर, पश्चिम और मध्य पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में हरे और भगवा दोनों रंगों की मौजूदगी देखी गई थी। इसी क्षेत्र में 2021 के चुनाव के दौरान बीजेपी ने अपनी सबसे मजबूत पकड़ बनाई थी। दूसरे चरण की तस्वीर बीजेपी के लिए कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। 29 अप्रैल को होने वाले इस चरण में कुल 142 सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों में से करीब 123 सीटों पर टीएमसी का दबदबा रहा है, जो करीब 86.6 फीसदी हिस्सेदारी बनाता है। इसके विपरीत बीजेपी को केवल 18 सीटों पर जीत मिली थी, जो करीब 12.7 फीसदी के बराबर है, जबकि एक सीट अन्य के खाते में जाती है। यह इलाका टीएमसी का मजबूत गढ़ माना जाता है। यही वह क्षेत्र है जिसने सीएम ममता बनर्जी को लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। राजनीतिक रूप से यह क्षेत्र लंबे समय से तृणमूल के कल्याणकारी कार्यक्रमों और मजबूत संगठनात्मक ढांचे से जुड़ा रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि इस चरण में बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती टीएमसी के पारंपरिक मतदाता आधार में सेंध लगाने की होगी। महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों का समर्थन तृणमूल को लगातार मिलता रहा है, जिससे पार्टी की पकड़ मजबूत बनी हुई है। दो चरणों में होने वाला यह चुनाव पश्चिम बंगाल को दो अलग-अलग चुनावी मैदानों में बांटता दिखाई दे रहा है।

एक ओर पहले चरण में कड़ा मुकाबला होने की संभावना है, वहीं दूसरे चरण में तृणमूल का मजबूत प्रभाव नजर आता है। ऐसे में आगामी महीनों में दोनों दलों की रणनीति और चुनावी अभियान इसी विभाजन को ध्यान में रखते हुए तय किए जाने की संभावना है।